

## उत्तराखण्ड के परविहन मंत्री चंदन रामदास का नधिन

### चर्चा में क्यों?

26 अप्रैल, 2023 को उत्तराखण्ड के परविहन मंत्री चंदन रामदास का नधिन हो गया है। उन्होंने बागेश्वर के एक अस्पताल में अंतिम साँस ली।

### प्रमुख बडि

- परविहन मंत्री चंदन रामदास बागेश्वर धाम गए हुए थे, जहाँ उनकी तबयित बगिड़ गई, जिसके बाद उन्हें बागेश्वर के ज़िला अस्पताल में भरती कराया गया, जहाँ उनका नधिन हो गया।
- उत्तराखण्ड की अब तक की सरकारों में वह तीसरे कैबिनेट मंत्री हैं, जिनके नधिन की वजह कोई न कोई बीमारी बनी है। उनसे पहले कुमाऊँ के दगिगज राजनेता प्रकाश पंत और हरद्वार ज़िले के नेता सुरेंद्र राकेश की मृत्यु कैंसर से हुई थी। सुरेंद्र राकेश कॉन्ग्रेस सरकार में मंत्री थे, जबकि प्रकाश पंत भाजपा सरकार में मंत्री थे।
- प्रदेश के परविहन कल्याण मंत्री बागेश्वर के वधायक चंदन रामदास का राजनीतिक करियर 1980 में शुरू हुआ। वह 1997 में नगरपालिका बागेश्वर के नरिदलीय अध्यक्ष बने। इससे पूरव एम.बी. डगिरी कॉलेज हल्द्वानी में बी.ए. प्रथम वर्ष में नरिवरिध संयुक्त सचवि बने।
- 2006 में पूरव मुख्यमंत्री भगत सहि कोश्यारी की प्ररेणा पर चंदन रामदास भाजपा में शामिल हुए थे। 2007, 2012, 2017 और 2022 में वह लगातार चौथी बार वधायक चुने गए। उनके नधिन पर 26 से 28 अप्रैल तक प्रदेश में राजकीय शोक घोषति कथिा गया है।

